होली खेले नन्द कुमार | By

बरसाने में शोर मच गयो
होरी खेले नन्द कुमार बिरज में रंग बरसे
वृषभानु लली के द्वार बिरज में रंग बरसे
बरसाने में शोर मच गयो.....

संग में लेके सखा उत्पाती
जैसे बाबा भोले के बाराती
पीली पोखर पे लिया डेरा डाल बिरज में रंग बरसे
वृषभानु लली के द्वार बिरज में रंग बरसे
बरसाने में शोर मच गयो.....

भाभी भाभी कह के बोले
भोला बन कुंजन में डोले
और घुंघटा देवे उतार बिरज में रंग बरसे
वृषभानु लली के द्वार बिरज में रंग बरसे
बरसाने में शोर मच गयो.....

भानु लली सखियन ते बोली
छीनो लकुटिया डालो लेहंगा चोली
बनाओ छलिये को नर ते नार बिरज में रंग बरसे
वृषभानु लली के द्वार बिरज में रंग बरसे
बरसाने में शोर मच गयो.....

बलि बलि जाऊं नवल रसिया पे
ब्रिज शर्मा के मन बसिया पे
चिर जीवो नन्द कुमार बिरज में रंग बरसे
वृषभानु लली के द्वार बिरज में रंग बरसे
बरसाने में शोर मच गयो.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%96%e0%a5%87%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a6-%e0%a4%95%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b0-by/